Act

Chapter 7

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Εἶπεν	δὲ	ὁ	ἀρχιερεύς,	Εἰ	ταῦτα	οὕτως	ἔχει?
कहा	तो	–उस	महायाजक–ने	क्या	ये–बातें	ऐसी	हैं
G3004	G1161	G3588	G0749	G1487	G3778	G3779	G2192

> फिर महायाजक ने कहा, “क्या यह बात ऐसे ही है?”

2

ὁ	δὲ	ἔφη,	Ἄνδρες,	ἀδελφοὶ,	καὶ	πατέρες,	ἀκούσατε!	Ὁ	Θεὸς	τῆς
–वह	तो	बोला	पुरुषो	भाइयो	और	पितरो	सुनो	–वह	परमेश्वर	–की
G3588	G1161	G5346	G0435	G0080	G2532	G3962	G0191	G3588	G2316	G3588

δόξης	ὤφθη	τῷ	πατρὶ	ἡμῶν	Ἀβραὰμ,	ὄντι	ἐν	τῇ	Μεσοποταμίᾳ,	πρὶν
महिमा	प्रकट–हुआ	–को	पिता	हमारे	अब्राहम	होते–हुए	–में	–उस	मेसोपोतामिया	पहले
G1391	G3708	G3588	G3962	G1473	G0011	G1510	G1722	G3588	G3318	G4250

ἢ	κατοικῆσαι	αὐτὸν	ἐν	Χαρράν,
कि	बसता	वह	–में	हारान
G2228	G2730	G0846	G1722	G5488

> उसने उत्तर दिया, “बंधुओं और पितृतुल्य बुजुर्गो! मेरी बात सुनो। हारान में रहने से पहले अभी जब हमारा पिता इब्राहीम मिसुपुतामिया में ही था, तो महिमामय परमेश्वर ने उसे दर्शन दिये

3

καὶ	εἶπεν	πρὸς	αὐτόν,	Ἔξελθε	ἐκ	τῆς	γῆς	σου,	καὶ	‹ἐκ›	τῆς
और	कहा	–की–ओर	उससे	निकल	–से	–तेरी	भूमि	तेरी	और	–से	–तेरे
G2532	G3004	G4314	G0846	G1831	G1537	G3588	G1093	G4771	G2532	G1537	G3588

συγγενείας	σου,	καὶ	δεῦρο	εἰς	τὴν	γῆν	ἣν	ἄν	σοι	δείξω.
परिवार	तेरे	और	आ	–में	–उस	भूमि	जो	–	तुझे	दिखाऊँगा
G4772	G4771	G2532	G1204	G1519	G3588	G1093	G3739	G0302	G4771	G1166

> और कहा, ‘अपने देश और अपने लोगों को छोड़कर तू उस धरती पर चला जा, जिसे तुझे मैं दिखाऊँगा।’

4

τότε	ἐξελθὼν	ἐκ	γῆς	Χαλδαίων,	κατῴκησεν	ἐν	Χαρράν,	κἀκεῖθεν	μετὰ
तब	निकलकर	–से	भूमि	कस्दियों–की	बसा	–में	हारान	और–वहाँ–से	–के–बाद
G5119	G1831	G1537	G1093	G5466	G2730	G1722	G5488	G2547	G3326

τὸ	ἀποθανεῖν	τὸν	πατέρα	αὐτοῦ,	μετῴκισεν	αὐτὸν	εἰς	τὴν	γῆν	ταύτην,
–	मरना	–का	पिता	उसका	बसाया	उसे	–में	–उस	भूमि	–इस
G3588	G0599	G3588	G3962	G0846	G3351	G0846	G1519	G3588	G1093	G3778

εἰς	ἣν	ὑμεῖς	νῦν	κατοικεῖτε.
–में	जिस	तुम	अब	रहते–हो
G1519	G3739	G4771	G3568	G2730

> “सो वह कसदियों की धरती को छोड़ कर हारान में जा बसा जहाँ से उसके पिता की मृत्यु के बाद परमेश्वर ने उसे इस देश में आने की प्रेरणा दी जहाँ तुम अब रह रहे हो।

5 καὶ οὐκ ἔδωκεν αὐτῷ κληρονομίαν ἐν αὐτῇ, οὐδὲ βῆμα ποδός;
और नहीं दिया उसे विरासत -में उसमें न-ही पैर-रखने-की-जगह पैर-की
G2532 G3756 G1325 G0846 G2817 G1722 G0846 G3761 G0968 G4228

καὶ ἐπηγγείλατο δοῦναι αὐτῷ εἰς κατάσχεσιν αὐτὴν, καὶ τῷ σπέρματι
और वायदा-किया देने-को उसे -में अधिकार उसे और -को वंश
G2532 G1861 G1325 G0846 G1519 G2697 G0846 G2532 G3588 G4690

αὐτοῦ μετ’ αὐτόν, οὐκ ὄντος αὐτῷ τέκνου.
उसके -के-बाद उसके नहीं होते-हुए उसे सन्तान
G0846 G3326 G0846 G3756 G1510 G0846 G5043

> परमेश्वर ने यहाँ उसे उत्तराधिकार में कुछ नहीं दिया, डग भर धरती तक नहीं। यद्यपि उसके कोई संतान नहीं थी किन्तु परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की कि यह देश वह उसे और उसके वंशजों को उनकी सम्पत्ति के रूप में देगा।

6 ἐλάλησεν δὲ οὕτως ὁ Θεὸς: ὅτι ἔσται τὸ σπέρμα αὐτοῦ πάροικον
बोला तो ऐसा -वह परमेश्वर कि होगा -का वंश उसका परदेशी
G2980 G1161 G3779 G3588 G2316 G3754 G1510 G3588 G4690 G0846 G3941

ἐν γῇ ἀλλοτρίᾳ, καὶ δουλώσουσιν αὐτὸ, καὶ κακώσουσιν ἔτη τετρακόσια;
-में भूमि पराई और दास-बनाएँगे उसे और दुःख-देंगे वर्ष चार-सौ
G1722 G1093 G0245 G2532 G1402 G0846 G2532 G2559 G2094 G5071

> “परमेश्वर ने उससे यह भी कहा, ‘तेरे वंशज कहीं विदेश में परदेसी होकर रहेंगे और चार सौ साल तक उन्हें दास बनाकर, उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाएगा।’

7 καὶ τὸ ἔθνος ᾧ ἐὰν δουλεύσουσιν, κρινῶ ἐγώ, ὁ Θεὸς εἶπεν;
और -उस जाति जिसकी यदि दासता-करेंगे न्याय-करूँगा मैं -वह परमेश्वर कहा
G2532 G3588 G1484 G3739 G1437 G1398 G2919 G1473 G3588 G2316 G3004

καὶ μετὰ ταῦτα ἐξελεύσονται, καὶ λατρεύσουσίν μοι ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ.
और -के-बाद इन निकलेंगे और सेवा-करेंगे मेरी -में -इस स्थान -इस
G2532 G3326 G3778 G1831 G2532 G3000 G1473 G1722 G3588 G5117 G3778

> परमेश्वर ने कहा, ‘दास बनाने वाली उस जाति को मैं दण्ड दूँगा और इसके बाद वे उस देश से बाहर आ जायेंगे और इस स्थान पर वे मेरी सेवा करेंगे।’

8 καὶ ἔδωκεν αὐτῷ διαθήκην περιτομῆς; καὶ οὕτως ἐγέννησεν τὸν Ἰσαὰκ,
और दिया उसे वाचा खतना-की और ऐसे जन्म-दिया -को इसहाक
G2532 G1325 G0846 G1242 G4061 G2532 G3779 G1080 G3588 G2464

καὶ περιέτεμεν αὐτὸν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὀγδόῃ; καὶ Ἰσαὰκ τὸν Ἰακώβ, καὶ
और खतना-किया उसका -उस दिन -उस आठवें और इसहाक -को याकूब और
G2532 G4059 G0846 G3588 G2250 G3588 G3590 G2532 G2464 G3588 G2384 G2532

Ἰακὼβ τοὺς δώδεκα πατριάρχας.
याकूब -उन बारह कुलपिताओं
G2384 G3588 G1427 G3966

> “परमेश्वर ने इब्राहीम को ख़तने की मुद्रा से मुद्रित करके करार-प्रदान किया। और इस प्रकार वह इसहाक का पिता बना। उसके जन्म के बाद आठवें दिन उसने उसका ख़तना किया। फिर इसहाक से याकूबऔर याकूब से बारह कुलों के आदि पुरुष पैदा हुए।

9 Καὶ οἱ πατριάρχαι, ζηλώσαντες τὸν Ἰωσὴφ, ἀπέδοντο εἰς Αἴγυπτον. καὶ
और -वे कुलपिता डाह-करके -को यूसुफ बेच-दिया -में मिस्र और
G2532 G3588 G3966 G2206 G3588 G2501 G0591 G1519 G0125 G2532

ἦν ὁ Θεὸς μετ’ αὐτοῦ,
था -वह परमेश्वर -के-साथ उसके
G1510 G3588 G2316 G3326 G0846

> “वे आदि पुरूष यूसुफ़ से ईर्ष्या रखते थे। सो उन्होंने उसे मिसर में दास बनने के लिए बेच दिया। किन्तु परमेश्वर उसके साथ था।

10 καὶ ἐξείλατο αὐτὸν ἐκ πασῶν τῶν θλίψεων αὐτοῦ; καὶ ἔδωκεν αὐτῷ
और छुड़ाया उसे –से सारी –उन क्लेशों उसकी और दिया उसे
G2532 G1807 G0846 G1537 G3956 G3588 G2347 G0846 G2532 G1325 G0846

χάριν καὶ σοφίαν ἐναντίον Φαραὼ, βασιλέως Αἰγύπτου; καὶ κατέστησεν αὐτὸν
अनुग्रह और बुद्धि –के–सामने फिरौन राजा मिस्र–का और नियुक्त–किया उसे
G5485 G2532 G4678 G1726 G5328 G0935 G0125 G2532 G2525 G0846

ἡγούμενον ἐπ’ Αἴγυπτον, καὶ [ἐφ’] ὅλον τὸν οἶκον αὐτοῦ.
शासक –पर मिस्र और –पर सारे –उसके घर उसके
G2233 G1909 G0125 G2532 G1909 G3650 G3588 G3624 G0846

> और उसने उसे सभी विपत्तियों से बचाया। परमेश्वर ने यूसुफ़ को विवेक दिया और उसे इस योग्य बनाया जिससे वह मिसर के राजा फिरौन का अनुग्रह पात्र बन सका। फिरौन ने उसे मिसर का राज्यपाल और अपने घर-बार का अधिकारी नियुक्त किया।

11 ἦλθεν δὲ λιμὸς ἐφ’ ὅλην τὴν Αἴγυπτον καὶ Χανάαν, καὶ θλῖψις μεγάλη,
आया तो अकाल –पर सारे –उस मिस्र और कनान और क्लेश बड़ा
G2064 G1161 G3042 G1909 G3650 G3588 G0125 G2532 G5477 G2532 G2347 G3173

καὶ οὐχ ηὕρισκον χορτάσματα οἱ πατέρες ἡμῶν.
और नहीं पाते–थे चारा –वे पिता हमारे
G2532 G3756 G2147 G5527 G3588 G3962 G1473

> फिर समूचे मिसर और कनान देश में अकाल पड़ा और बड़ा संकट छा गया। हमारे पूर्वज खाने को कुछ नहीं पा सके।

12 ἀκούσας δὲ Ἰακὼβ, ὄντα σιτία εἰς Αἴγυπτον, ἐξαπέστειλεν τοὺς πατέρας
सुनकर तो याक़ूब होते–हुए अनाज –में मिस्र भेजा –उन पिताओं
G0191 G1161 G2384 G1510 G4621 G1519 G0125 G1821 G3588 G3962

ἡμῶν πρῶτον;
हमारे पहली–बार
G1473 G4412

> “जब याकूब ने सुना कि मिसर में अन्न है, तो उसने हमारे पूर्वजों को वहाँ भेजा-यह पहला अवसर था।

13 καὶ ἐν τῷ δευτέρῳ, ἀνεγνωρίσθη Ἰωσὴφ τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ, καὶ
और –में –उस दूसरी पहचाना–गया यूसुफ –को भाइयों उसके और
G2532 G1722 G3588 G1208 G0319 G2501 G3588 G0080 G0846 G2532

φανερὸν ἐγένετο τῷ Φαραὼ τὸ γένος [τοῦ] Ἰωσήφ.
प्रकट हुआ –को फिरौन –का वंश –का यूसुफ
G5318 G1096 G3588 G5328 G3588 G1085 G3588 G2501

> उनकी दूसरी यात्रा के अवसर पर यूसुफ़ ने अपने भाइयों को अपना परिचय दे दिया और तभी फिरौन को भी यूसुफ़ के परिवार की जानकारी मिली।

14 ἀποστείλας δὲ, Ἰωσὴφ μετεκαλέσατο Ἰακὼβ, τὸν πατέρα αὐτοῦ, καὶ πᾶσαν
भेजकर तो यूसुफ–ने बुलवाया याक़ूब–को –के पिता उसके और सारे
G0649 G1161 G2501 G3333 G2384 G3588 G3962 G0846 G2532 G3956

τὴν συγγένειαν, ἐν ψυχαῖς ἑβδομήκοντα πέντε.
–उस परिवार–को –में प्राणियों पचहत्तर पाँच
G3588 G4772 G1722 G5590 G1440 G4002

> सो यूसुफ़ ने अपने पिता याक़ूब और परिवार के सभी लोगों को, जो कुल मिलाकर पिचहत्तर थे, बुलवा भेजा।

15 καὶ κατέβη Ἰακὼβ εἰς Αἴγυπτον καὶ ἐτελεύτησεν, αὐτὸς καὶ οἱ πατέρες
और उतरा याक़ूब –में मिस्र और मरा वह और –वे पिता
G2532 G2597 G2384 G1519 G0125 G2532 G5053 G0846 G2532 G3588 G3962

ἡμῶν,
हमारे
G1473

> तब याकूब मिसर आ गया और उसने वहाँ वैसे ही प्राण त्यागे जैसे हमारे पूर्वजों ने वहाँ प्राण त्यागे थे।

16										
	καὶ	μετετέθησαν	εἰς	Συχὲμ,	καὶ	ἐτέθησαν	ἐν	τῷ	μνήματι,	ᾧ
	और	ले-जाए-गए	-में	शेकेम	और	रखे-गए	-में	-उस	कब्र	जो
	G2532	G3346	G1519	G4966	G2532	G5087	G1722	G3588	G3418	G3739

ὠνήσατο	Ἀβραὰμ	τιμῆς	ἀργυρίου	παρὰ	τῶν	υἱῶν	Ἑμμὼρ	ἐν	Συχέμ.
मोल-लिया-था	अब्राहम-ने	दाम	चाँदी-के	-से	-उन	पुत्रों	हमोर	-में	शेकेम
G5608	G0011	G5092	G0694	G3844	G3588	G5207	G1697	G1722	G4966

> उनके शव वहाँ से वापस सेकेम ले जाये गये जहाँ उन्हें मकबरे में दफना दिया गया। यह वही मकबरा था जिसे इब्राहीम ने हमोर के बेटों से कुछ धन देकर खरीदा था।

17										
	Καθὼς	δὲ	ἤγγιζεν	ὁ	χρόνος	τῆς	ἐπαγγελίας,	ἧς	ὡμολόγησεν	ὁ
	जैसे-जैसे	तो	निकट-आया	-का	समय	-की	प्रतिज्ञा	जो	वायदा-किया-था	-वह
	G2531	G1161	G1448	G3588	G5550	G3588	G1860	G3739	G3670	G3588

Θεὸς	τῷ	Ἀβραάμ,	ηὔξησεν	ὁ	λαὸς	καὶ	ἐπληθύνθη	ἐν	Αἰγύπτῳ,
परमेश्वर-ने	-को	अब्राहम	बढ़ा	-वह	लोग	और	बहुत-हुए	-में	मिस्र
G2316	G3588	G0011	G0837	G3588	G2992	G2532	G4129	G1722	G0125

> “जब परमेश्वर ने इब्राहीम को जो वचन दिया था, उसके पूरा होने का समय निकट आया तो मिसर में हमारे लोगों की संख्या बहुत अधिक बढ़ गयी।

18											
	ἄχρι	οὗ	ἀνέστη	βασιλεὺς	ἕτερος	ἐπ’	Αἴγυπτον,	ὃς	οὐκ	ᾔδει	τὸν
	जब-तक	कि	उठा	राजा	दूसरा	-पर	मिस्र	जो	नहीं	जानता-था	-को
	G0891	G3739	G0450	G0935	G2087	G1909	G0125	G3739	G3756	G1492	G3588

Ἰωσήφ.
यूसुफ
G2501

> आख़िरकार मिसर पर एक ऐसे राजा का शासन हुआ जो यूसुफ़ को नहीं जानता था।

19											
	οὗτος	κατασοφισάμενος	τὸ	γένος	ἡμῶν,	ἐκάκωσεν	τοὺς	πατέρας	[ἡμῶν],	τοῦ
	यह	छल-करके	-की	जाति	हमारी	दुःख-दिया	-उन	पिताओं	-हमारे	-के
	G3778	G2686	G3588	G1085	G1473	G2559	G3588	G3962	G1473	G3588

ποιεῖν	τὰ	βρέφη	ἔκθετα	αὐτῶν,	εἰς	τὸ	μὴ	ζωογονεῖσθαι.
बनाना	-उनके	बच्चों	फेंके-हुए	उनके	-के-लिए	-के	नहीं	जीवित-रहना
G4160	G3588	G1025	G1570	G0846	G1519	G3588	G3361	G2225

> उसने हमारे लोगों के साथ धूर्ततापूर्ण व्यवहार किया। उसने हमारे पूर्वजों को बड़ी निर्दयता के साथ विवश किया कि वे अपने बच्चों को बाहर मरने को छोड़ें ताकि वे जीवित ही न बच पायें।

20											
	Ἐν	ᾧ	καιρῷ	ἐγεννήθη	Μωϋσῆς,	καὶ	ἦν	ἀστεῖος	τῷ	Θεῷ;	ὃς
	-में	जिस	समय	जन्मा-हुआ	मूसा	और	था	सुन्दर	-को	परमेश्वर	जो
	G1722	G3739	G2540	G1080	G3475	G2532	G1510	G0791	G3588	G2316	G3739

ἀνετράφη	μῆνας	τρεῖς	ἐν	τῷ	οἴκῳ	τοῦ	πατρός.
पाला-गया	महीने	तीन	-में	-उसके	घर	-के	पिता
G0397	G3376	G5140	G1722	G3588	G3624	G3588	G3962

> “उसी समय मूसा का जन्म हुआ। वह बहुत सुन्दर बालक था। तीन महीने तक वह अपने पिता के घर के भीतर पलता बढ़ता रहा।

21										
	ἐκτεθέντος	δὲ	αὐτοῦ,	ἀνείλατο	αὐτὸν	ἡ	θυγάτηρ	Φαραώ,	καὶ	ἀνεθρέψατο
	छोड़े-जाने-पर	तो	उसके	उठा-लिया	उसे	-वह	बेटी	फिरौन-की	और	पाला
	G1620	G1161	G0846	G0337	G0846	G3588	G2364	G5328	G2532	G0397

αὐτὸν	ἑαυτῇ	εἰς	υἱόν.
उसे	अपने-लिए	-में	पुत्र
G0846	G1438	G1519	G5207

> फिर जब उसे बाहर छोड़ दिया गया तो फिरौन की पुत्री उसे अपना पुत्र बना कर उठा ले गयी। उसने अपने पुत्र के रूप में उसका लालन-पालन किया।

22

καὶ	ἐπαιδεύθη	Μωϋσῆς	[ἐν]	πάσῃ	σοφίᾳ	Αἰγυπτίων;	ἦν	δὲ	δυνατὸς	ἐν
और	शिक्षित–हुआ	मूसा	–में	सारी	बुद्धि	मिस्रियों–की	था	तो	सामर्थी	–में
G2532	G3811	G3475	G1722	G3956	G4678	G0124	G1510	G1161	G1415	G1722

λόγοις	καὶ	ἔργοις	αὐτοῦ.
वचनों	और	कार्यों	उसके
G3056	G2532	G2041	G0846

> मूसा को मिसरियों के सम्पूर्ण कला-कौशल की शिक्षा दी गयी। वह वाणी और कर्म दोनों में ही समर्थ था।

23

Ὡς	δὲ	ἐπληροῦτο	αὐτῷ	τεσσερακονταέτης	χρόνος,	ἀνέβη	ἐπὶ	τὴν	καρδίαν
जब	तो	पूरे–हो–रहे–थे	उसे	चालीस–वर्षीय	समय	आया	–पर	–उसके	हृदय
G5613	G1161	G4137	G0846	G5063	G5550	G0305	G1909	G3588	G2588

αὐτοῦ,	ἐπισκέψασθαι	τοὺς	ἀδελφοὺς	αὐτοῦ,	τοὺς	υἱοὺς	Ἰσραήλ;
उसके	देखने–को	–उन	भाइयों	उसके	–उन	पुत्रों	इस्राएल
G0846	G1980	G3588	G0080	G0846	G3588	G5207	G2474

> “जब वह चालीस साल का हुआ तो उसने इस्राएल की संतान, अपने भाई-बंधुओं के पास जाने का निश्चय किया।

24

καὶ	ἰδών	τινα	ἀδικούμενον,	ἠμύνατο,	καὶ	ἐποίησεν	ἐκδίκησιν	τῷ
और	देखकर	किसी–को	अन्याय–किया–जाते–हुए	बचाया	और	किया	बदला	–उसके–लिए
G2532	G3708	G5100	G0091	G0292	G2532	G4160	G1557	G3588

καταπονουμένῳ,	πατάξας	τὸν	Αἰγύπτιον.
सताए–जाते–हुए	मारकर	–उस	मिस्री
G2669	G3960	G3588	G0124

> सो जब एक बार उसने देखा कि उनमें से किसी एक के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है तो उसने उसे बचाया और मिसरी व्यक्ति को मार कर उस दलित व्यक्ति का बदला ले लिया।

25

ἐνόμιζεν	δὲ,	συνιέναι	τοὺς	ἀδελφοὺς	[αὐτοῦ],	ὅτι	ὁ	Θεὸς	διὰ	χειρὸς
सोचता–था	तो	समझना	–उन	भाइयों	–उसके	कि	–वह	परमेश्वर	–के–द्वारा	हाथ
G3543	G1161	G4920	G3588	G0080	G0846	G3754	G3588	G2316	G1223	G5495

αὐτοῦ	δίδωσιν	σωτηρίαν	αὐτοῖς.	οἱ	δὲ	οὐ	συνῆκαν.
उसके	देता–है	छुटकारा	उन्हें	–वे	पर	नहीं	समझे
G0846	G1325	G4991	G0846	G3588	G1161	G3756	G4920

> उसने सोचा था कि उसके अपने भाई बंधु जान जायेंगे कि उन्हें छुटकारा दिलाने के लिए परमेश्वर उसका उपयोग कर रहा है। किन्तु वे इसे नहीं समझ पाये।

26

τῇ	τε	ἐπιούσῃ	ἡμέρᾳ,	ὤφθη	αὐτοῖς	μαχομένοις,	καὶ	συνήλλασσεν
–उस	और	अगले	दिन	प्रकट–हुआ	उन्हें	लड़ते–हुओं	और	मिलाने–लगा
G3588	G5037	G1966	G2250	G3708	G0846	G3164	G2532	G4900

αὐτοὺς	εἰς	εἰρήνην,	εἰπών,	Ἄνδρες,	ἀδελφοί	ἐστε.	ἱνα‿	τί	ἀδικεῖτε
उन्हें	–में	शान्ति	कहकर	पुरुषो	भाई	हो	क्यों	क्या	अन्याय–करते–हो
G0846	G1519	G1515	G3004	G0435	G0080	G1510	G2443	G5101	G0091

ἀλλήλους?
एक–दूसरे–को
G0240

> “अगले दिन उनमें से (उसके अपने लोगों में से) जब कुछ लोग झगड़ रहे थे तो वह उनके पास पहुँचा और यह कहते हुए उनमें बीच-बचाव का जतन करने लगा, ‘कि तुम लोग तो आपस में भाई-भाई हो। एक दूसरे के साथ बुरा बर्ताव क्यों करते हो?’

27 ὁ δὲ ἀδικῶν τὸν πλησίον ἀπώσατο αὐτὸν, εἰπών, Τίς σε
-वह पर अन्याय-करने-वाला -को पड़ोसी धकेला उसे कहकर किसने तुझे
G3588 G1161 G0091 G3588 G4139 G0683 G0846 G3004 G5101 G4771

κατέστησεν, ἄρχοντα καὶ δικαστὴν ἐφ’ ἡμῶν?
नियुक्त-किया शासक और न्यायी -पर हमारे
G2525 G0758 G2532 G1348 G1909 G1473

> किन्तु उस व्यक्ति ने जो अपने पड़ोसी के साथ झगड़ रहा था, मूसा को धक्का मारते हुए कहा, ‘तुझे हमारा शासक और न्यायकर्ता किसने बनाया?

28 μὴ ἀνελεῖν με σὺ θέλεις, ὃν τρόπον ἀνεῖλες ἐχθὲς τὸν Αἰγύπτιον?
क्या मार-डालना मुझे तू चाहता-है जिस तरह मारा कल -उस मिस्री-को
G3361 G0337 G1473 G4771 G2309 G3739 G5158 G0337 G5504 G3588 G0124

> जैसे तूने कल उस मिस्री की हत्या कर दी थी, क्या तू वैसे ही मुझे भी मार डालना चाहता है?’

29 ἔφυγεν δὲ Μωϋσῆς ἐν τῷ λόγῳ τούτῳ, καὶ ἐγένετο πάροικος ἐν
भागा तो मूसा -पर -इस वचन -इस और हुआ परदेशी -में
G5343 G1161 G3475 G1722 G3588 G3056 G3778 G2532 G1096 G3941 G1722

γῇ Μαδιάμ, οὗ ἐγέννησεν υἱοὺς δύο.
भूमि मिद्यान जहाँ जन्म-दिए पुत्रों दो
G1093 G3099 G3757 G1080 G5207 G1417

> मूसा ने जब यह सुना तो वह वहाँ से चला गया और मिद्यान में एक परदेसी के रूप में रहने लगा। वहाँ उसके दो पुत्र हुए।

30 Καὶ πληρωθέντων ἐτῶν τεσσεράκοντα, ὤφθη αὐτῷ ἐν τῇ ἐρήμῳ τοῦ
और पूरे-होने-पर वर्षों चालीस प्रकट-हुआ उसे -में -उस जंगल -के
G2532 G4137 G2094 G5062 G3708 G0846 G1722 G3588 G2048 G3588

ὄρους Σινᾶ, ἄγγελος ἐν φλογὶ πυρὸς βάτου.
पहाड़ सीनाई स्वर्गदूत -में लौ आग-की झाड़ी-की
G3735 G4614 G0032 G1722 G5395 G4442 G0942

> “चालीस वर्ष बीत जाने के बाद सिनाई पर्वत के पास मरुभूमि में एक जलती झाड़ी की लपटों के बीच उसके सामने एक स्वर्गदूत प्रकट हुआ।

31 ὁ δὲ Μωϋσῆς ἰδὼν, ἐθαύμαζεν τὸ ὅραμα; προσερχομένου δὲ αὐτοῦ
-वह पर मूसा देखकर आश्चर्य-करने-लगा -उस दर्शन-पर निकट-आते-हुए तो उसके
G3588 G1161 G3475 G3708 G2296 G3588 G3705 G4334 G1161 G0846

κατανοῆσαι, ἐγένετο φωνὴ Κυρίου:
देखने-को हुई आवाज़ प्रभु-की
G2657 G1096 G5456 G2962

> मूसा ने जब यह देखा तो इस दृश्य पर वह आश्चर्य चकित हो उठा। जब और अधिक निकटता से देखने के लिये वह उसके पास गया तो उसे प्रभु की वाणी सुनाई दी:

32 Ἐγὼ ὁ Θεὸς τῶν πατέρων σου, ὁ Θεὸς Ἀβραὰμ, καὶ Ἰσαὰκ, καὶ
मैं -वह परमेश्वर -उन पिताओं तेरे -वह परमेश्वर अब्राहम-का और इसहाक और
G1473 G3588 G2316 G3588 G3962 G4771 G3588 G2316 G0011 G2532 G2464 G2532

Ἰακώβ. ἔντρομος δὲ, γενόμενος Μωϋσῆς, οὐκ ἐτόλμα κατανοῆσαι.
याकूब काँपता-हुआ तो होकर मूसा नहीं साहस-किया देखना
G2384 G1790 G1161 G1096 G3475 G3756 G5111 G2657

> ‘मैं तेरे पूर्वजों का परमेश्वर हूँ, इब्राहीम का, इसहाक का और याकूब का परमेश्वर हूँ।’ भय से काँपते हुए मूसा कुछ देखने का साहस नहीं कर पा रहा था।

33

εἶπεν	δὲ	αὐτῷ	ὁ	Κύριος,	Λῦσον	τὸ	ὑπόδημα	τῶν	ποδῶν	σου,	ὁ
कहा	तो	उससे	-वह	प्रभु	खोल	-की	जूती	-उन	पैरों	तेरे	-वह
G3004	G1161	G0846	G3588	G2962	G3089	G3588	G5266	G3588	G4228	G4771	G3588

γὰρ	τόπος	ἐφ’	ᾧ	ἕστηκας,	γῆ	ἁγία	ἐστίν.
क्योंकि	स्थान	-पर	जिस	खड़ा-है	भूमि	पवित्र	है
G1063	G5117	G1909	G3739	G2476	G1093	G0040	G1510

> “तभी प्रभु ने उससे कहा, ‘अपने पैरों की चप्पलें उतार क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है, वह पवित्र भूमि है।

34

ἰδὼν,	εἶδον	τὴν	κάκωσιν	τοῦ	λαοῦ	μου	τοῦ	ἐν	Αἰγύπτῳ,	καὶ	τοῦ
देखकर	देखा	-उस	दुःख	-की	लोगों	मेरे	-की	-में	मिस्र	और	-उनकी
G3708	G3708	G3588	G2561	G3588	G2992	G1473	G3588	G1722	G0125	G2532	G3588

στεναγμοῦ	αὐτοῦ	ἤκουσα,	καὶ	κατέβην	ἐξελέσθαι	αὐτούς;	καὶ	νῦν	δεῦρο,
कराहट	उसकी	सुनी	और	उतरा	छुड़ाने-को	उन्हें	और	अब	आ
G4726	G0846	G0191	G2532	G2597	G1807	G0846	G2532	G3568	G1204

ἀποστείλω	σε	εἰς	Αἴγυπτον.
भेजूँगा	तुझे	-में	मिस्र
G0649	G4771	G1519	G0125

> मैंने मिस्र में अपने लोगों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को देखा है, परखा है। मैंने उन्हें विलाप करते हुए सुना है। उन्हें मुक्त कराने के लिये मैं नीचे उतरा हूँ। आ, अब मैं तुझे मिस्र भेजूँगा।’

35

Τοῦτον	τὸν	Μωϋσῆν,	ὃν	ἠρνήσαντο,	εἰπόντες,	Τίς	σε	κατέστησεν	ἄρχοντα
इस	-उस	मूसा	जिसे	इन्कार-किया	कहकर	किसने	तुझे	नियुक्त-किया	शासक
G3778	G3588	G3475	G3739	G0720	G3004	G5101	G4771	G2525	G0758

καὶ	δικαστήν?	τοῦτον	ὁ	Θεὸς	καὶ	ἄρχοντα	καὶ	λυτρωτὴν	ἀπέσταλκεν,
और	न्यायी	इसी	-वह	परमेश्वर	और	शासक	और	छुड़ानेवाला	भेजा
G2532	G1348	G3778	G3588	G2316	G2532	G0758	G2532	G3086	G0649

σὺν	χειρὶ	ἀγγέλου	τοῦ	ὀφθέντος	αὐτῷ	ἐν	τῇ	βάτῳ.
-के-साथ	हाथ	स्वर्गदूत-के	-उसके	प्रकट-हुए	उसे	-में	-उस	झाड़ी
G4862	G5495	G0032	G3588	G3708	G0846	G1722	G3588	G0942

> “यह वही मूसा है जिसे उन्होंने यह कहते हुए नकार दिया था, ‘तुझे शासक और न्यायकर्ता किसने बनाया है?’ यह वही है जिसे परमेश्वर ने उस स्वर्गदूत द्वारा, जो उसके लिए झाड़ी में प्रकट हुआ था, शासक और मुक्तिदाता होने के लिये भेजा।

36

οὗτος	ἐξήγαγεν	αὐτοὺς,	ποιήσας	τέρατα	καὶ	σημεῖα	ἐν	γῇ	Αἰγύπτῳ,
यह	निकाला	उन्हें	करके	अद्भुत-काम	और	चिह्न	-में	भूमि	मिस्र
G3778	G1806	G0846	G4160	G5059	G2532	G4592	G1722	G1093	G0125

καὶ	ἐν	Ἐρυθρᾷ	Θαλάσσῃ,	καὶ	ἐν	τῇ	ἐρήμῳ	ἔτη	τεσσεράκοντα.
और	-में	लाल	समुद्र	और	-में	-उस	जंगल	वर्ष	चालीस
G2532	G1722	G2063	G2281	G2532	G1722	G3588	G2048	G2094	G5062

> वह उन्हें मिसर की धरती और लाल सागर तथा वनों में से चालीस साल तक आश्चर्य कर्म करते हुए और चिन्ह दिखाते हुए बाहर निकाल लाया।

37

οὗτός	ἐστιν	ὁ	Μωϋσῆς	ὁ	εἴπας	τοῖς	υἱοῖς	Ἰσραήλ,	Προφήτην	ὑμῖν
यही	है	-वह	मूसा	जिसने	कहा	-उन	पुत्रों	इस्राएल-के	भविष्यवक्ता	तुम्हारे-लिए
G3778	G1510	G3588	G3475	G3588	G3004	G3588	G5207	G2474	G4396	G4771

ἀναστήσει	ὁ	Θεὸς,	ἐκ	τῶν	ἀδελφῶν	ὑμῶν,	ὡς	ἐμέ,
उठाएगा	-वह	परमेश्वर	-में-से	-उन	भाइयों	तुम्हारे	जैसा	मुझे
G0450	G3588	G2316	G1537	G3588	G0080	G4771	G5613	G1473

> “यह वही मूसा है जिसने इस्राएल की संतानों से कहा था, ‘तुम्हारे भाइयों में से ही तुम्हारे लिये परमेश्वर एक मेरे जैसा नबी भेजेगा।’

38 οὗτός ἐστιν ὁ γενόμενος ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἐν τῇ ἐρήμῳ, μετὰ
यही है जो हुआ –में –उस कलीसिया –में –उस जंगल –के–साथ
G3778 G1510 G3588 G1096 G1722 G3588 G1577 G1722 G3588 G2048 G3326

τοῦ ἀγγέλου τοῦ λαλοῦντος αὐτῷ ἐν τῷ ὄρει Σινᾶ, καὶ τῶν πατέρων
–उसके स्वर्गदूत –जो बोलते–थे उससे –में –उस पहाड़ सीनाई और –उन पिताओं
G3588 G0032 G3588 G2980 G0846 G1722 G3588 G3735 G4614 G2532 G3588 G3962

ἡμῶν. ὃς ἐδέξατο λόγια ζῶντα δοῦναι ἡμῖν,
हमारे जिसने पाया वचन जीवित देने–को हमें
G1473 G3739 G1209 G3051 G2198 G1325 G1473

> यह वही है जो वीराने में सभा के बीच हमारे पूर्वजों और उस स्वर्गदूत के साथ मौजूद था जिसने सिनाई पर्वत पर उससे बातें की थी। इसी ने हमें देने के लिये परमेश्वर से सजीव वचन प्राप्त किये थे।

39 ᾧ οὐκ ἠθέλησαν ὑπήκοοι γενέσθαι οἱ πατέρες ἡμῶν, ἀλλὰ ἀπώσαντο,
जिसकी नहीं चाहा आज्ञाकारी होना –वे पिता हमारे बल्कि धकेला
G3739 G3756 G2309 G5255 G1096 G3588 G3962 G1473 G0235 G0683

καὶ ἐστράφησαν ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν εἰς Αἴγυπτον,
और मुड़े –में –उनके हृदयों उनके –की–ओर मिस्र
G2532 G4762 G1722 G3588 G2588 G0846 G1519 G0125

> “किन्तु हमारे पूर्वजों ने उसका अनुसरण करने को मना कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने उसे नकार दिया और अपने हृदयों में वे फिर मिस्र की ओर लौट गये।

40 εἰπόντες τῷ Ἀαρών, Ποίησον ἡμῖν θεοὺς οἳ προπορεύσονται ἡμῶν. ὁ
कहकर –से हारून बना हमें देवताओं–को जो आगे–चलेंगे हमारे –वह
G3004 G3588 G0002 G4160 G1473 G2316 G3739 G4313 G1473 G3588

γὰρ Μωϋσῆς οὗτος, ὃς ἐξήγαγεν ἡμᾶς ἐκ γῆς Αἰγύπτου, οὐκ οἴδαμεν
क्योंकि मूसा यह जो निकाला हमें –से भूमि मिस्र नहीं जानते
G1063 G3475 G3778 G3739 G1806 G1473 G1537 G1093 G0125 G3756 G1492

τί ἐγένετο αὐτῷ.
क्या हुआ उसे
G5101 G1096 G0846

> उन्होंने आरोंं से कहा था, ‘हमारे लिये ऐसे देवताओं की रचना करो जो हमें मार्ग दिखायें। इस मूसा के बारे में, जो हमें मिस्र से बाहर निकाल लाया, हम नहीं जानते कि उसके साथ क्या कुछ घटा।’

41 καὶ ἐμοσχοποίησαν ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις, καὶ ἀνήγαγον θυσίαν τῷ
और बछड़ा–बनाया –में –उन दिनों –उन और चढ़ाया बलिदान –उस
G2532 G3447 G1722 G3588 G2250 G1565 G2532 G0321 G2378 G3588

εἰδώλῳ, καὶ εὐφραίνοντο ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐτῶν.
मूर्ति–को और आनन्दित–हो–रहे–थे –में –उन कार्यों –उनके हाथों उनके
G1497 G2532 G2165 G1722 G3588 G2041 G3588 G5495 G0846

> उन्हीं दिनों उन्होंने बछड़े की एक मूर्ति बनायी। और उस मूर्ति पर बलि चढ़ाई। वे, जिसे उन्होंने अपने हाथों से बनाया था, उस पर आनन्द मनाने लगे।

42 ἔστρεψεν δὲ ὁ Θεὸς, καὶ παρέδωκεν αὐτοὺς λατρεύειν τῇ στρατιᾷ
फेरा तो –वह परमेश्वर और सौंपा उन्हें सेवा–करने–को –उस सेना
G4762 G1161 G3588 G2316 G2532 G3860 G0846 G3000 G3588 G4756

τοῦ οὐρανοῦ, καθὼς γέγραπται ἐν βίβλῳ τῶν προφητῶν: Μὴ σφάγια καὶ
–की आकाश जैसा लिखा–है –में पुस्तक –उन भविष्यवक्ताओं क्या बलिदान और
G3588 G3772 G2531 G1125 G1722 G0976 G3588 G4396 G3361 G4968 G2532

θυσίας προσηνέγκατέ μοι, ἔτη τεσσεράκοντα ἐν τῇ ἐρήμῳ, οἶκος Ἰσραήλ?
भेंटें चढ़ाया मुझे वर्ष चालीस –में –उस जंगल घराने इस्राएल
G2378 G4374 G1473 G2094 G5062 G1722 G3588 G2048 G3624 G2474

> किन्तु परमेश्वर ने उनसे मुँह मोड़ लिया था। उन्हें आकाश के ग्रह-नक्षत्रों की उपासना के लिये छोड़ दिया गया था। जैसा कि नबियों की पुस्तक में लिखा है: 'हे इस्राएल के परिवार के लोगो, क्या तुम पशुबलि और अन्य बलियाँ वीराने में मुझे नहीं चढ़ाते रहे चालीस वर्ष तक?

43

καὶ	ἀνελάβετε	τὴν	σκηνὴν	τοῦ	Μολὸχ,	καὶ	τὸ	ἄστρον	τοῦ	θεοῦ
और	उठाया	-उस	तम्बू	-का	मोलोक	और	-वह	तारा	-के	देवता
G2532	G0353	G3588	G4633	G3588	G3434	G2532	G3588	G0798	G3588	G2316

[ὑμῶν]	Ῥαιφάν,	τοὺς	τύπους	οὓς	ἐποιήσατε	προσκυνεῖν	αὐτοῖς;	καὶ	μετοικιῶ
-तुम्हारे	रैफान	-उन	मूर्तियों	जो	बनाया	दण्डवत-करने-को	उनको	और	बसाऊँगा
G4771	G4481	G3588	G5179	G3739	G4160	G4352	G0846	G2532	G3351

ὑμᾶς	ἐπέκεινα	Βαβυλῶνος.
तुम्हें	-से-परे	बाबुल
G4771	G1900	G0897

> तुम मोलेक के तम्बू और अपने देवता रिफान के तारे को भी अपने साथ ले गये थे। वे मूर्तियाँ भी तुम ले गये जिन्हें तुमने उपासना के लिये बनाया था। इसलिए मैं तुम्हें बाबुल से भी परे भेजूँगा।'

44

Ἡ	σκηνὴ	τοῦ	μαρτυρίου	ἦν	τοῖς	πατράσιν	ἡμῶν	ἐν	τῇ	ἐρήμῳ,
-वह	तम्बू	-की	गवाही	थी	-उन	पिताओं	हमारे	-में	-उस	जंगल
G3588	G4633	G3588	G3142	G1510	G3588	G3962	G1473	G1722	G3588	G2048

καθὼς	διετάξατο	ὁ	λαλῶν	τῷ	Μωϋσῇ,	ποιῆσαι	αὐτὴν	κατὰ	τὸν	τύπον
जैसा	आज्ञा-दी-थी	-उसने	बोलने-वाले	-से	मूसा	बनाना	उसे	-के-अनुसार	-उस	आकृति
G2531	G1299	G3588	G2980	G3588	G3475	G4160	G0846	G2596	G3588	G5179

ὃν	ἑωράκει,
जो	देखा-था
G3739	G3708

> "साक्षी का तम्बू भी उस वीराने में हमारे पूर्वजों के साथ था। यह तम्बू उसी नमूने पर बनाया गया था जैसा कि उसने देखा था और जैसा कि मूसा से बात करने वाले ने बनाने को उससे कहा था।

45

ἣν	καὶ	εἰσήγαγον,	διαδεξάμενοι,	οἱ	πατέρες	ἡμῶν,	μετὰ	Ἰησοῦ	ἐν
जिसे	भी	लाए	उत्तराधिकारी-होकर	-वे	पिता	हमारे	-के-साथ	यहोशू	-में
G3739	G2532	G1521	G1237	G3588	G3962	G1473	G3326	G2424	G1722

τῇ	κατασχέσει	τῶν	ἐθνῶν,	ὧν	ἐξῶσεν	ὁ	Θεὸς	ἀπὸ	προσώπου	τῶν
-उस	अधिकार	-उन	जातियों	जिन्हें	निकाला	-वह	परमेश्वर	-से	सामने	-उन
G3588	G2697	G3588	G1484	G3739	G1856	G3588	G2316	G0575	G4383	G3588

πατέρων	ἡμῶν,	ἕως	τῶν	ἡμερῶν	Δαυίδ,
पिताओं	हमारे	-तक	-उन	दिनों	दाऊद
G3962	G1473	G2193	G3588	G2250	G1138

> हमारे पूर्वज उसे प्राप्त करके तभी वहाँ से आये थे जब यहोशू के नेतृत्त्व में उन्होंने उन जातियों से यह धरती ले ली थी जिन्हें हमारे पूर्वजों के सम्मुख परमेश्वर ने निकाल बाहर किया था। दाऊद के समय तक वह वहीं रहा।

46

ὃς	εὗρεν	χάριν	ἐνώπιον	τοῦ	Θεοῦ,	καὶ	ᾐτήσατο	εὑρεῖν	σκήνωμα	τῷ
जिसे	पाया	अनुग्रह	-के-सामने	-उसके	परमेश्वर	और	माँगा	पाना	निवास	-के-लिए
G3739	G2147	G5485	G1799	G3588	G2316	G2532	G0154	G2147	G4638	G3588

οἴκῳ	Ἰακώβ.
घराने	याकूब
G3624	G2384

> दाऊद ने परमेश्वर के अनुग्रह का आनन्द उठाया। उसने चाहा कि वह याकूब के लोगों के लिए एक मन्दिर बनवा सके

47

Σολομῶν	δὲ	οἰκοδόμησεν	αὐτῷ	οἶκον.
सुलेमान	तो	बनाया	उसके-लिए	घर
G4672	G1161	G3618	G0846	G3624

> किन्तु वह सुलैमान ही था जिसने उसके लिए मन्दिर बनवाया।

48 ἀλλʼ οὐχ ὁ Ὕψιστος ἐν χειροποιήτοις κατοικεῖ; καθὼς ὁ προφήτης
परन्तु नहीं -वह सर्वोच्च -में हाथ-से-बने रहता-है जैसा -वह भविष्यवक्ता
G0235 G3756 G3588 G5310 G1722 G5499 G2730 G2531 G3588 G4396

λέγει,
कहता-है
G3004

> “कुछ भी हो परम परमेश्वर तो हाथों से बनाये भवनों में नहीं रहता। जैसा कि नबी ने कहा है:

49 Ὁ οὐρανός μοι θρόνος, ἡ δὲ γῆ ὑποπόδιον τῶν ποδῶν μου.
-वह आकाश मेरा सिंहासन -वह और भूमि पायदान -उन पैरों मेरे
G3588 G3772 G1473 G2362 G3588 G1161 G1093 G5286 G3588 G4228 G1473

ποῖον οἶκον οἰκοδομήσετέ μοι? λέγει Κύριος, ἢ, τίς τόπος τῆς
कैसा घर बनाओगे मुझे कहता-है प्रभु या कौन-सा स्थान -की
G4169 G3624 G3618 G1473 G3004 G2962 G2228 G5101 G5117 G3588

καταπαύσεώς μου?
विश्राम मेरी
G2663 G1473

> ‘प्रभु ने कहा, स्वर्ग मेरा सिंहासन है, और धरती चरण की चौकी बनी है। किस तरह का मेरा घर तुम बनाओगे? कहीं कोई जगह ऐसी है, जहाँ विश्राम पाऊँ?

50 οὐχὶ ἡ χείρ μου ἐποίησεν ταῦτα πάντα?
क्या-नहीं -वह हाथ मेरे बनाया ये-सब सब
G3780 G3588 G5495 G1473 G4160 G3778 G3956

> क्या यह सभी कुछ, मेरे करों की रचना नहीं रही?’”

51 Σκληροτράχηλοι καὶ ἀπερίτμητοι καρδίαις καὶ τοῖς ὠσίν, ὑμεῖς ἀεὶ τῷ
हठीले और खतनारहित हृदयों-में और -उन कानों-में तुम सदा -उस
G4644 G2532 G0564 G2588 G2532 G3588 G3775 G4771 G0104 G3588

Πνεύματι τῷ Ἁγίῳ ἀντιπίπτετε; ὡς οἱ πατέρες ὑμῶν, καὶ ὑμεῖς.
आत्मा -उस पवित्र विरोध-करते-हो जैसे -वे पिता तुम्हारे वैसे तुम
G4151 G3588 G0040 G0496 G5613 G3588 G3962 G4771 G2532 G4771

> हे बिना ख़तने के मन और कान वाले हठीले लोगो! तुमने सदा ही पवित्र आत्मा का विरोध किया है। तुम अपने पूर्वजों के जैसे ही हो।

52 τίνα τῶν προφητῶν οὐκ ἐδίωξαν οἱ πατέρες ὑμῶν? καὶ ἀπέκτειναν
किसे -उन भविष्यवक्ताओं-में-से नहीं सताया -वे पिता तुम्हारे और मार-डाला
G5101 G3588 G4396 G3756 G1377 G3588 G3962 G4771 G2532 G0615

τοὺς προκαταγγείλαντας περὶ τῆς ἐλεύσεως τοῦ Δικαίου, οὗ νῦν ὑμεῖς
-उन्हें पहले-से-बताने-वालों -के-बारे-में -उसके आगमन -उसके धार्मिक जिसके अब तुम
G3588 G4293 G4012 G3588 G1660 G3588 G1342 G3739 G3568 G4771

προδόται καὶ φονεῖς ἐγένεσθε!
विश्वासघाती और हत्यारे हुए
G4273 G2532 G5406 G1096

> क्या कोई भी ऐसा नबी था, जिसे तुम्हारे पूर्वजों ने नहीं सताया? उन्होंने तो उन्हें भी मार डाला जिन्होंने बहुत पहले से ही उस धर्मी के आने की घोषणा कर दी थी, जिसे अब तुमने धोखा देकर पकड़वा दिया और मरवा डाला।

53 οἵτινες ἐλάβετε τὸν νόμον εἰς διαταγὰς ἀγγέλων, καὶ οὐκ ἐφυλάξατε.
जिन्होंने पाया -वह व्यवस्था -में आज्ञाओं स्वर्गदूतों-की और नहीं पाला
G3748 G2983 G3588 G3551 G1519 G1296 G0032 G2532 G3756 G5442

> तुम वही हो जिन्होंने स्वर्गदूतों द्वारा दिये गये व्यवस्था के विधान को पा तो लिया किन्तु उस पर चले नहीं।”

54	Ἀκούοντες	δὲ	ταῦτα	διεπρίοντο	ταῖς	καρδίαις	αὐτῶν,	καὶ	ἔβρυχον	τοὺς
	सुनकर	तो	ये-बातें	फट-रहे-थे	-उनके	हृदयों-में	उनके	और	पीस-रहे-थे	-अपने
	G0191	G1161	G3778	G1282	G3588	G2588	G0846	G2532	G1031	G3588

ὀδόντας	ἐπ’	αὐτόν.
दाँतों	-पर	उस
G3599	G1909	G0846

> जब उन्होंने यह सुना तो वे क्रोध से आगबबूला हो उठे और उस पर दाँत पीसने लगे।

55	ὑπάρχων	δὲ	πλήρης	Πνεύματος	Ἁγίου,	ἀτενίσας	εἰς	τὸν	οὐρανὸν,
	होते-हुए	तो	भरा-हुआ	आत्मा-से	पवित्र	टकटकी-लगाकर	-की-ओर	-उस	आकाश
	G5225	G1161	G4134	G4151	G0040	G0816	G1519	G3588	G3772

εἶδεν	δόξαν	Θεοῦ,	καὶ	Ἰησοῦν	ἑστῶτα	ἐκ	δεξιῶν	τοῦ	Θεοῦ,
देखा	महिमा	परमेश्वर-की	और	यीशू	खड़ा-हुआ	-से	दाहिनी	-उसके	परमेश्वर
G3708	G1391	G2316	G2532	G2424	G2476	G1537	G1188	G3588	G2316

> किन्तु पवित्र आत्मा से भावित स्तिफनुस स्वर्ग की ओर देखता रहा। उसने देखा परमेश्वर की महिमा को और परमेश्वर के दाहिने खड़े यीशु को।

56	καὶ	εἶπεν,	Ἰδοὺ,	θεωρῶ	τοὺς	οὐρανοὺς	διηνοιγμένους,	καὶ	τὸν	Υἱὸν	τοῦ
	और	कहा	देखो	देखता-हूँ	-उन	आकाशों-को	खुले-हुए	और	-उस	पुत्र	-उसके
	G2532	G3004	G3708	G2334	G3588	G3772	G1272	G2532	G3588	G5207	G3588

ἀνθρώπου	ἐκ	δεξιῶν	ἑστῶτα	τοῦ	Θεοῦ.
मनुष्य	-से	दाहिनी	खड़ा-हुआ	-उसके	परमेश्वर
G0444	G1537	G1188	G2476	G3588	G2316

> सो उसने कहा, “देखो। मैं देख रहा हूँ कि स्वर्ग खुला हुआ है और मनुष्य का पुत्र परमेश्वर के दाहिने खड़ा है।”

57	κράξαντες	δὲ	φωνῇ	μεγάλῃ,	συνέσχον	τὰ	ὦτα	αὐτῶν,	καὶ	ὥρμησαν
	चिल्लाकर	तो	आवाज़	बड़ी	बंद-किए	-अपने	कान	उनके	और	दौड़े
	G2896	G1161	G5456	G3173	G4912	G3588	G3775	G0846	G2532	G3729

ὁμοθυμαδὸν	ἐπ’	αὐτόν.
एकमन-से	-पर	उस
G3661	G1909	G0846

> इस पर उन्होंने चिल्लाते हुए अपने कान बन्द कर लिये और फिर वे सभी उस पर एक साथ झपट पड़े।

58	καὶ	ἐκβαλόντες	ἔξω	τῆς	πόλεως,	ἐλιθοβόλουν.	καὶ	οἱ	μάρτυρες	ἀπέθεντο
	और	निकालकर	बाहर	-उस	नगर	पत्थराव-करने-लगे	और	-वे	गवाह	उतारे
	G2532	G1544	G1854	G3588	G4172	G3036	G2532	G3588	G3144	G0659

τὰ	ἱμάτια	αὐτῶν,	παρὰ	τοὺς	πόδας	νεανίου	καλουμένου	Σαύλου.
-अपने	वस्त्र	उनके	-पास	-उन	पैरों	जवान	कहलाते-थे	शाऊल
G3588	G2440	G0846	G3844	G3588	G4228	G3494	G2564	G4569

> वे उसे घसीटते हुए नगर से बाहर ले गये और उस परपथराव करने लगे। तभी गवाहों ने अपने वस्त्र उतार कर शाउल नाम के एक युवक के चरणों में रख दिये।

59	καὶ	ἐλιθοβόλουν	τὸν	Στέφανον,	ἐπικαλούμενον	καὶ	λέγοντα,	Κύριε	Ἰησοῦ,
	और	पत्थराव-करने-लगे	-उस	स्तिफनुस	पुकारते-हुए	और	कहते-हुए	प्रभु	यीशू
	G2532	G3036	G3588	G4736	G1941	G2532	G3004	G2962	G2424

δέξαι	τὸ	πνεῦμά	μου.
ग्रहण-कर	-वह	आत्मा	मेरी
G1209	G3588	G4151	G1473

> स्तिफ़नुस पर जब से उन्होंने पत्थर बरसाना प्रारम्भ किया, वह यह कहते हुए प्रार्थना करता रहा, “हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को स्वीकार कर।”

60 θεὶς δὲ τὰ γόνατα, ἔκραξεν φωνῇ μεγάλῃ, Κύριε, μὴ στήσῃς αὐτοῖς

θεὶς	δὲ	τὰ	γόνατα,	ἔκραξεν	φωνῇ	μεγάλῃ,	Κύριε,	μὴ	στήσῃς	αὐτοῖς
रखकर	तो	–अपने	घुटनों	चिल्लाया	आवाज़	बड़ी	प्रभु	मत	लगा	उन्हें
G5087	G1161	G3588	G1119	G2896	G5456	G3173	G2962	G3361	G2476	G0846

ταύτην	τὴν	ἁμαρτίαν.	καὶ	τοῦτο	εἰπὼν,	ἐκοιμήθη.
–यह	–वह	पाप	और	यह	कहकर	सो–गया
G3778	G3588	G0266	G2532	G3778	G3004	G2837

> फिर वह घुटनों के बल गिर पड़ा और ऊँचे स्वर में चिल्लाया, “प्रभु, इस पाप कोउनके विरुद्ध मत ले।” इतना कह कर वह चिर निद्रा में सो गया।